संज्ञानात्मकवादी

Cognitivism

- जीन पियाजे
- जेरोम ब्रूनर
- ऑसुबेल → ✓
- गेस्टाल्टवादी ✓
- नॉम चॉमस्की ✓

# Ausubel's Theory of Learning

RMRD → खोजबीन सिद्धान्त

**डेविड ऊसूबेल (David Ausubel, 1978) ने सीखने के एक सिद्धांत का प्रतिपादन किया जिसे आधुनिक संज्ञानात्मक सिद्धांत (modern-day cognitive theory) की श्रेणी में रखा गया है।**

औसुबल के सिद्धांत के अनुसार, **"अर्थपूर्ण अधिगम" Meaningful Learning** तब होता है जब छात्र नए तथ्यों और जानकारी को अपनी पूर्व ज्ञान की संरचना के साथ जोड़ते हैं। उनका **"विचारशील शिक्षा मॉडल"** यह भी बताता है कि सामग्री का पुनर्निर्माण (restructuring) और संज्ञानात्मक संगठन (cognitive organization) महत्वपूर्ण हैं।

ARRM → अभिप्रेरणा

ARRM → बण्डुरा

A → ध्यान

R → प्रतिधारण

R → पुनः उत्पादन

RMRD — स्कोड → ऑसुबल

R → रटना

M → अर्थ

R → अधिग्रहण

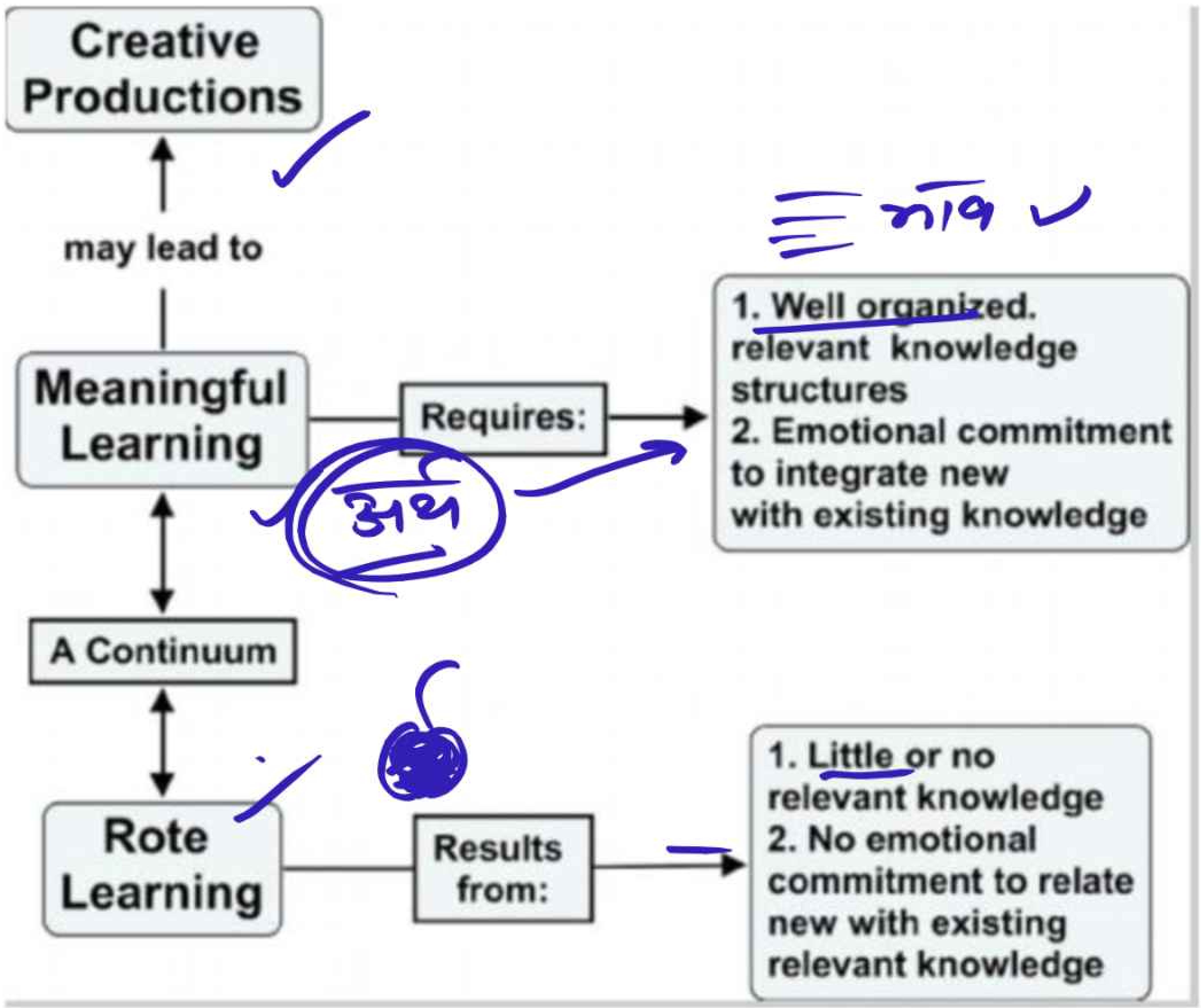
Creative Productions
may lead to
Meaningful Learning
Requires:
1. Well organized. relevant knowledge structures
2. Emotional commitment to integrate new with existing knowledge
A Continuum
Rote Learning
Results from:
1. Little or no relevant knowledge
2. No emotional commitment to relate new with existing relevant knowledge

ऊसूबेल का सिद्धांत कक्षा (classroom) में किए जानेवाले शिक्षण (learning) तथा शाब्दिक सामग्री (verbal materials) के सार्थक एवं अर्थपूर्ण सीखने (meaningful learning) से संबंधित है. और इस बिन्दु पर ऊसूबेल का सिद्धांत ब्रुनर (Bruner) के सिद्धांत के समान है।

ऊसूबेल (Ausubel) ने अपने सीखने के सिद्धांत में सीखने के निम्नांकित चार प्रकार (kinds) का वर्णन किया है

(1) **रटकर सीखना (Rote learning) —** रटकर सीखना वैसे सीखना को कहा जाता है जिसमें शिक्षार्थी दिए गए विषय या पाठ के अर्थ को बिना समझे हू-ब-हू (verbatim) पुनरुत्पादन (reproduce) कर सीखते हैं।

(2) **अर्थपूर्ण सीखना (Meaningful learning)** - अर्थपूर्ण सीखना या जिसे ऊसूबेल ने अर्थपूर्ण आत्मसात्करण (meaningful assimilation) भी कहा है, एक ऐसे सीखने की प्रक्रिया को कहा जाता है जिसमें शिक्षार्थी किसी विषय या पाठ को समझकर आत्मसात करते हैं तथा उसे अपने गत ज्ञान (past knowledge) से संबंधित कर पाते हैं।

(3) **अभिग्रहण सीखना (Reception learning)** – इस तरह के सीखना में शिक्षार्थी को सीखनेवाली सामग्री बोलकर या लिखकर दे दी जाती है और शिक्षार्थी उन सामग्रियों को आत्मसात (internalize) कर लेता है। दुर्भाग्यवश अधिकतर शिक्षक यही समझते हैं कि अभिग्रहण सीखना (reception learning) मात्र रटकर ही किया जा सकता है।

(4) **(4) अन्वेषण सीखना (Discovery learning)—** अन्वेषण सीखना वैसे सीखना को कहा जाता है जिसमें शिक्षार्थी को दी गई सामग्री में से नया संप्रत्यय (concept) या कोई नया नियम या विचार की खोज कर उसे सीखना होता है। दुर्भाग्यवश अधिकतर शिक्षक यही समझते है कि अन्वेषण सीखना हमेशा अर्थपूर्ण (meaningful) ही होता है।

# नोम चॉम्स्की

1. सार्वभौमिक व्याकरण
   **Universal Grammar**

2. भाषा अधिग्रहण उपकरण
   **Language Acquisition Device (LAD):** जो किसी भी प्रकार की भाषा को सीखने में मदद करता है।

3. **Generative Grammar**
   जनरेटिव व्याकरण

4. **Innate Ability**
   जन्मजात क्षमता

Made with Gamma

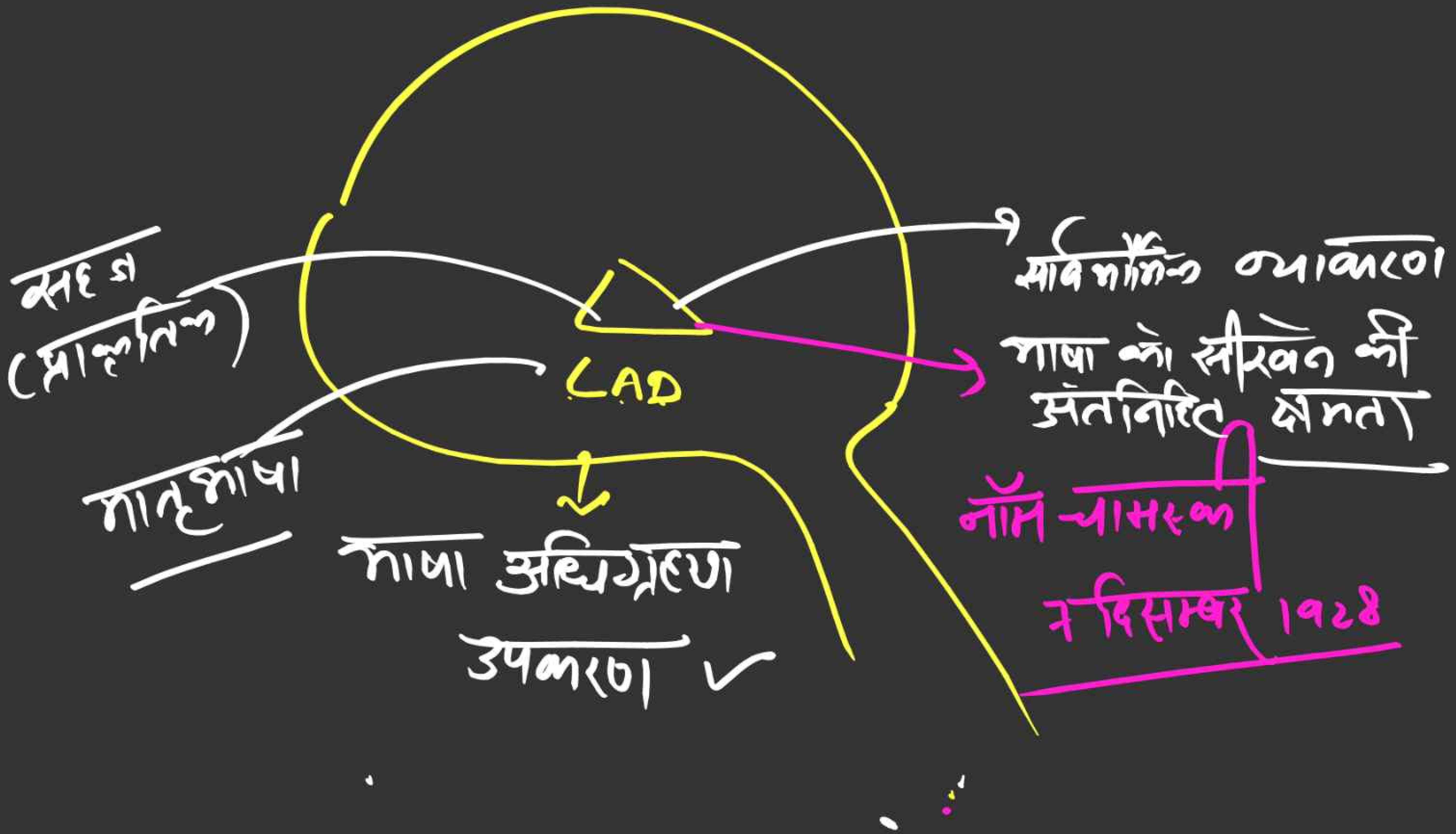
सहज
(प्राकृतिक)
मातृभाषा
LAD
भाषा अधिग्रहण
उपकरण ✓
सार्वभौमिक व्याकरण
भाषा को सीखने की
अंतर्निहित क्षमता
नॉम-चामस्की
7 दिसम्बर 1928

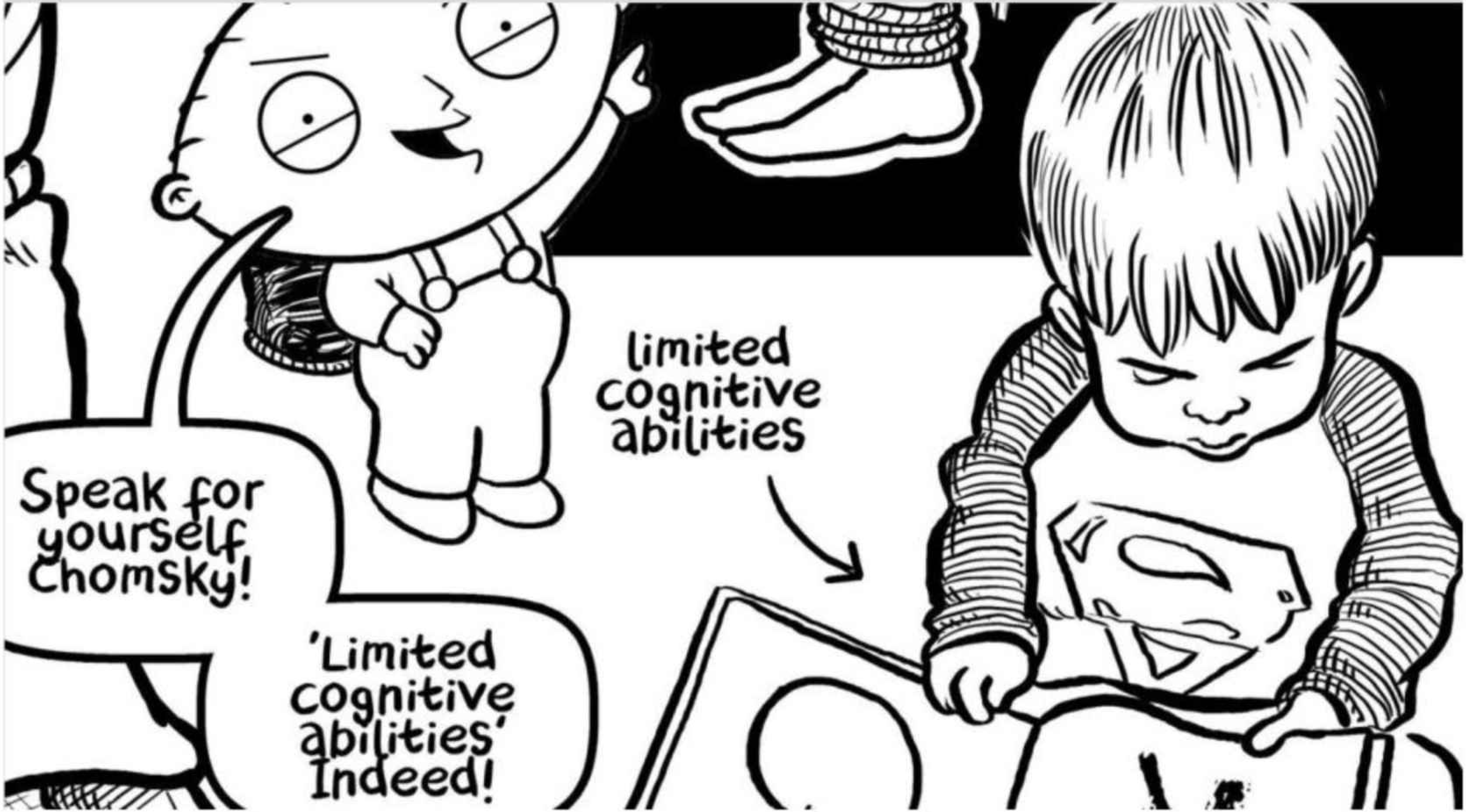
limited cognitive abilities
Speak for yourself Chomsky!
'Limited cognitive abilities' Indeed!

•**सार्वभौमिक व्याकरण (Universal Grammar)**: चोम्स्की का मानना था कि सभी भाषाओं की एक सामान्य संरचना होती है और प्रत्येक मानव मस्तिष्क में भाषा को सीखने की प्राकृतिक क्षमता होती है।

•**नैतिक सिद्धांत (Generative Grammar)**: उन्होंने व्याकरण के एक नया सिद्धांत प्रस्तुत किया, जिसे **जनरेटिव ग्रामर** कहा जाता है, जिसमें यह बताया गया कि मनुष्य किसी भी भाषा की अनगिनत वाक्य संरचनाएं बना सकता है, बशर्ते कि उसे उस भाषा की मूल संरचना समझ में हो।

3 नाम चामस्की ने बी०एफ०स्किनर के व्यवहारवाद का विरोध किया क्योंकि इनका मानना था कि भाषा जन्मजात होती है उसे किसी भी पर्यावरण की आवश्यकता नहीं पड़ती।

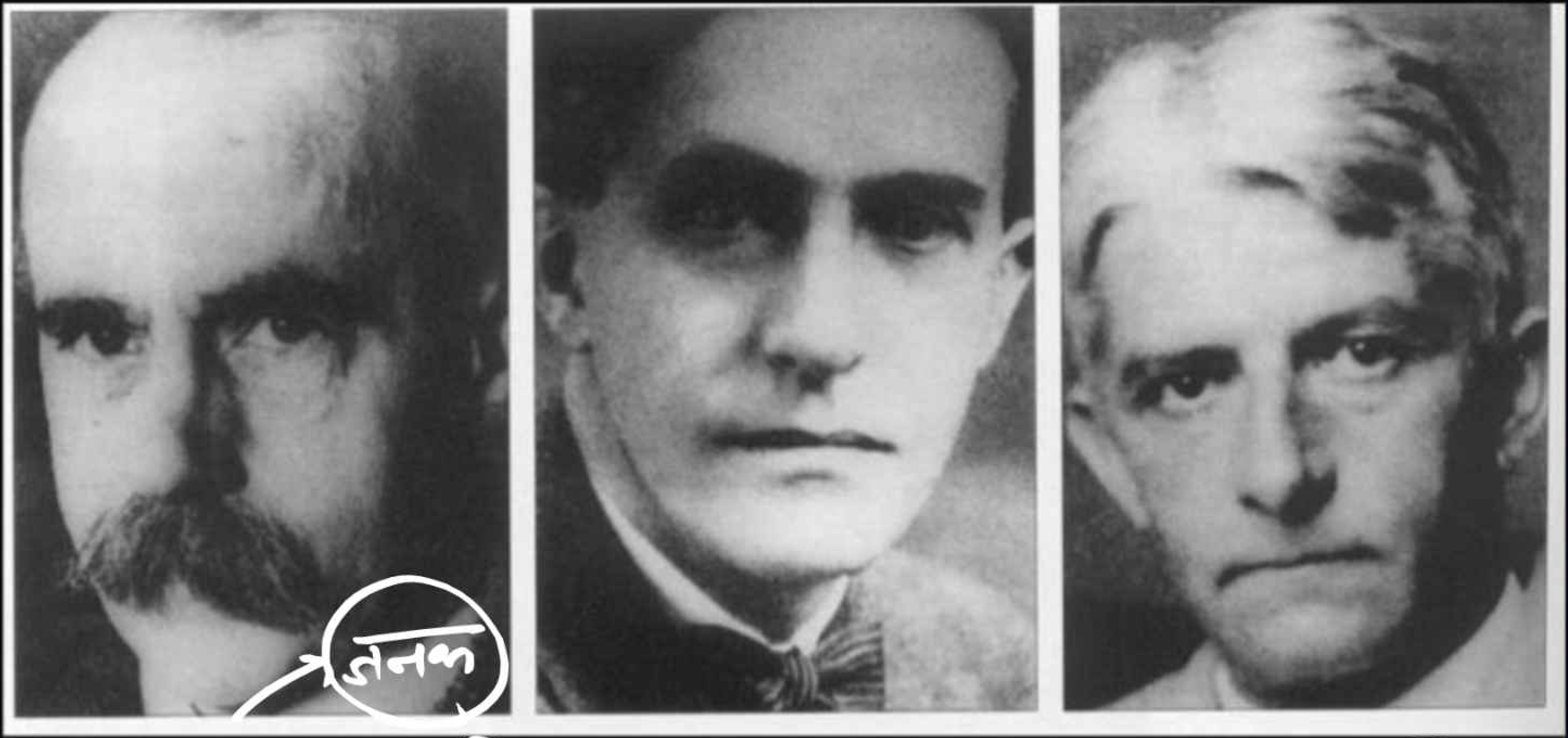

Max Wertheimer
(1880-1943)

Kurt Koffka
(1886-1941)

Wolfgang Kohler
(1887-1967)

# गेस्टाल्ट का सीखने का सिद्धांत,

→ सम्पूर्णता / अन्तः दृष्टि

Wholeness — Insight ✓

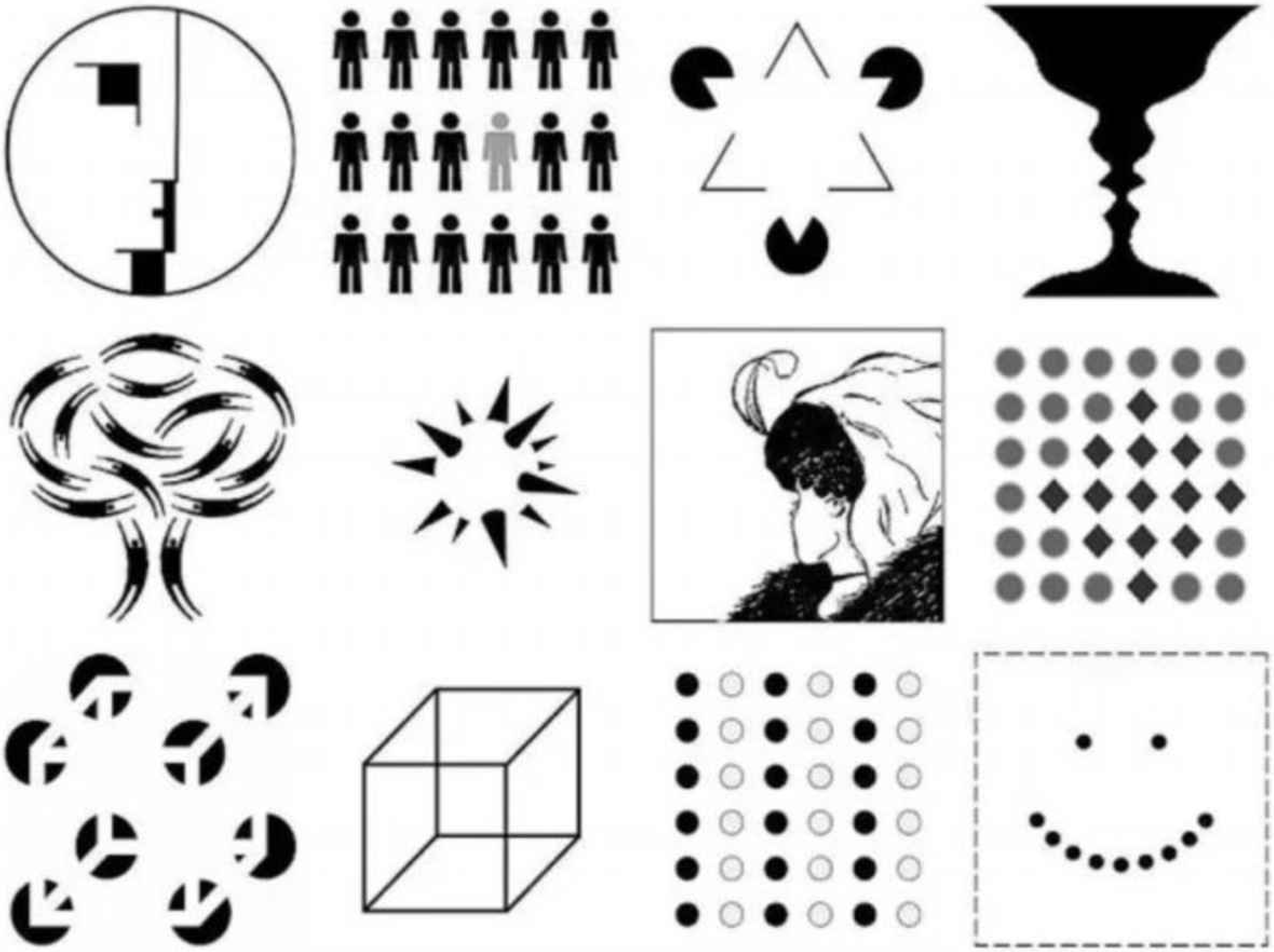

## गेस्टाल्टवाद के नियम

पूर्णाकारवाद के नियम इस प्रकार है :

1) **संरचनात्मक (Structure ):** पूर्णाकारवाद में अधिगम की संपूर्ण प्रक्रिया उस समय पूर्ण मानी जाती है जब प्रक्रिया का निश्चित रूप प्रकट होता है।

2) **समरूपता (Symmetry) :** जो वस्तुएं आकार से समान होती हैं, उनका पूर्णाकार रूप उसी प्रकार अंतर्दृष्टि में होता है ।

3) **समीपता (Proximity):** इस नियम के अनुसार जो वस्तुएं आकार में समान होती है ; वे एक दूसरे के समरूप प्रकट होती हैं।

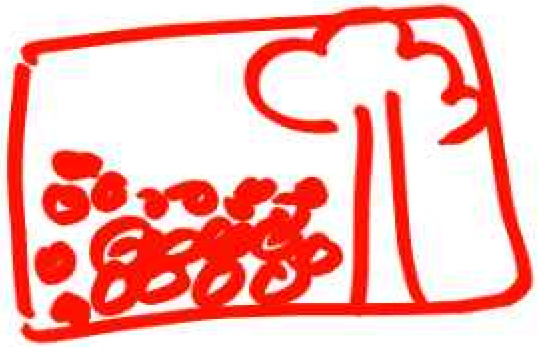

4) **समापन (Closing) :** मानव मस्तिष्क में स्थित क्षेत्र को बंद करने की प्रक्रिया इस नियम में पाई जाती है।

## कोहलर का सिद्धान्त ( सूझ या अंन्तर्दृष्टि का सिद्धान्त ) सिर्फ महत्वपूर्ण बिन्दु Insight Theory

- **सूझ या अंन्तर्दृष्टि का सिद्धान्त ( Insight Theory ) :-**
- **गेस्टाल्टवाद सिध्दान्त**
- **समग्रवादी सिध्दान्त**
- **सम्पूर्णवाद का सिध्दान्त**
- **पूर्णकारवाद का सिध्दान्त**
- सीखने के सूझ के सिद्धांत का प्रतिपादन गेस्टाल्ट मनोवैज्ञानिक मैक्स वर्दीमर, कोहलर और कोफ्का ने किया ।

# कोहलर का प्रयोग

सुल्तान नामक चिम्पान्जी — (Insight)

अन्तःदृष्टि

सूझबूझ

→ हमेशा प्रयत्न करने की आवश्यकता नहीं होती

**कोहलर के सिद्धान्त का शैक्षिक महत्व –**

1.यह सिद्धान्त रचनात्मक कार्यों के लिए उपयोगी है ।
2.कोहलर के इस सिद्धान्त के माध्यम से छात्रों में स्वयं किसी कार्य को कर के सीखने में बहुत उपयोगी होती है ।
3.इस सिद्धान्त के माध्यम से छात्र रटने पर जोर न देकर अपने समस्या का हर निकालने के लिए अग्रसर होते है ।
4.इस सिद्धान्त के माध्यम से बच्चों मे एकाग्रता , मानसिक क्षमता का विकास, चीजों में तुलना करना , तथा तार्किक बुद्धि का विकाश होता है ।
5.गणित, विज्ञान जैसे विषयों के लिए यह अत्यन्त उपयोगी है ।

विज्ञान कक्षा के दौरान, छात्र एक जटिल अवधारणा को समझने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। शिक्षक दृश्य सामग्री और वास्तविक जीवन के उदाहरणों का उपयोग करके जानकारी को नए और आकर्षक तरीके से प्रस्तुत करने का निर्णय लेता है। परिणामस्वरूप, छात्र अचानक अवधारणा को समझ जाते हैं। यह परिदृश्य सबसे अच्छा दर्शाता है:

During a science class, students are struggling to understand a complex concept. The teacher decides to present the information in a new and engaging way, using visual aids and real-life examples. As a result, the students suddenly grasp the concept. This scenario best illustrates:

A. Rote memorization/रटकर याद करना

B. Insightful learning/व्यावहारिक सीख

C. Analytical thinking/विश्लेषणात्मक सोच

D. Repetitive learning/दोहराव वाली सीख

25→31